हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, सोमवार 25 मई 2026

11 एलोपैथिक, आयुर्वेदिक और होम्योपैथिक...

12 विधायक ने जन समस्याएं सुनकर किया शोध ...

सरकार ने मानी मांग, हड़ताल खत्म-राजधानी की तरफ बढ़े ट्रकों के कदम, आज से दिल्ली के लिए सामान की हो जाएगी बुकिंग शुरू

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भिवानी

ट्रांसपोर्टरों की तीन दिन की सांकेतिक हड़ताल ने केंद्र सरकार को घुटनों पर ला दिया। हड़ताल की वजह से सामान की आवाजाही बुरी तरह प्रभावित होना शुरू हुई, लेकिन केंद्रीय मंत्री ने तत्काल उनकी मांगों पर सहमति के लिए बैठक बुलाई बैठक में ट्रांसपोर्टरों की सभी मांगें पूरी करवाने का भरोसा दिलाया। हालांकि सरकार ने अभी सारी मांग अदालत के माध्यम से पूरी होंगी,लेकिन अब इन मांगों को मनवाने की जिम्मेदारी सरकार की है। दूसरी तरफ हड़ताल खत्म होने की सूचना मिलते ही ट्रांसपोर्टरों में खुशी छा गई। उन्होंने एक दूसरे साथी का मुंह मीठा करवाया। रात 12 बजे के बाद जो ट्रक पिछले तीन दिनों दिल्ली के लिए सामान से भरे खड़े थे। उनको रात को ही दिल्ली रवाना कर दिया। आज करीब 20 ट्रक दिल्ली के लिए निकाले गए। सोमवार से दिल्ली के लिए सामान की बुकिंग शुरू हो जाएगी। चूंकि आज अधिकांश ट्रासपोर्टरों की छुट्टी होती है।

21 मई को सभी ट्रांसपोर्टर चले गए थे हड़ताल पर

23 तक दिल्ली के लिए सामान की बुक नहीं की

16 लाख बीएस-4 वाहनों को मिलेगा जीवनदानः आरके

ट्रांसपोर्टर आरके शर्मा ने बताया कि देश में करीब 16 लाख बीएस-4 ट्रक है। जिनको एक नवम्बर के बाद बंद करना था। सड़कों से हटाने की बात आने पर ट्रक मालिकों में हडकम्प मच गया। चूंकि कुछ साल पहले ही इन ट्रकों को खरीदा गया है। अभी तक इनकी किस्त भी पूरी नहीं हुई है,लेकिन नवम्बर में इन ट्रकों को सड़कों से हटा दिया जाएगा। जिससे ट्रक मालिकों को मोटा नुकसान होगा। पर इस पर सरकार का रूख नरम होने की वजह से ट्रांसपोर्टरों ने राहत की सांस ली है। इसी तरह बीएस-6 तथा सब्जी वाले वाहनों पर ग्रीन टैक्स लगा दिया था। जिससे उन पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ बढ जाएगा। इन बातों को लेकर तीन दिन की सांकेतिक हड़ताल की गई थी। सरकार के भरोसे के बाद उनको अब राहत मिलने की उम्मीद बनी है।

उल्लेखनीय है कि 21 मई से ट्रांसपोर्टर हड़ताल पर चले गए थे। उन्होंने 21 से लेकर 23 मई तक दिल्ली के लिए किसी भी उद्योग इकाई का सामान बुक नहीं किया। जो सामान दिल्ली के लिए लोड किया गया था। वह गाड़ी भी पिछले तीन दिनों से यही पर खड़ी थी। जिसको रात 12 बजे हड़ताल खत्म करने की सूचना के बाद दिल्ली के लिए रवाना किया। हड़ताल खत्म होने के बाद ट्रांसपोर्टरों व आमजन ने राहत की सांस ली क्योंकि हड़ताल की वजह से न तो सामान दिल्ली से आ रहा था और न ही वहां पर जा रहा था।

धोखाधड़ी के मामले में तीसरा आरोपी गिरफ्तार, 40,000 रुपये किए बरामद

भिवानी। पुलिस की सीआईए स्टाफ-2 की टीम ने महिला से धोखाधड़ी कर कड़े चोरी करने के मामले में आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार महिला निवासी तोशाम क्षेत्र ने थाना तोशाम में शिकायत दर्ज करवाई थी। शिकायतकर्ता महिला ने पुलिस को बताया कि 14 अप्रैल को वह सुबह के समय अपने घर से फैक्ट्री जाने के लिए निकली थी। जब वह रास्ते में अस्पताल के पास पहुंची तो उसे दो युवक मिले, जिन्होंने पैसे डबल करने की स्कीम के बारे में बताया। आरोपियों ने महिला से कहा कि उसके कड़ों को स्कैन करके उसकी रसीद दे देंगे। इस पर महिला ने कड़े आरोपियों को दे दिए और उनके साथ गली में चली गई। इसी दौरान दोनों आरोपी उसके कड़े चोरी कर फरार हो गए। महिला की शिकायत पर थाना तोशाम में मामला दर्ज किया गया था। सीआईए स्टाफ-2 भिवानी के एएसआई सुरेंद्र सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कड़े चोरी करने के मामले में तीसरे आरोपी को नया बस स्टैंड भिवानी क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की पहचान सुरेश निवासी वार्ड नंबर-2, करतारपुरा इंदिरा कॉलोनी, रोहतक के रूप में हुई है। पुलिस टीम द्वारा आरोपी को न्यायालय में पेश कर 01 दिन के पुलिस रिमांड पर हासिल किया गया। रिमांड अवधि के दौरान आरोपी से गहन पूछताछ की गई तथा आरोपी से 40,000 रुपए बरामद किए गए।

पुलिस ने आरोपी को अदालत में पेश कर रिमांड पर लिया

राष्ट्रीय हरित अधिकरण के नियमों की खुले आम हो रही उल्लंघना

कूड़े-कचरे में लगी आग से निकल रही जहरीली गैस, सेहत से हो रहा खिलवाड़

अस्थमा, कैंसर और लीवर की बीमार होने की आशंका बढ़ीं

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भिवानी

शहर के कचरा प्वाइंटों पर पड़ी गंदगी या फिर साफ-सफाई करके एकत्रित किए कूड़े-कचरे के ढेर में आग लगाना स्वास्थ्य एवं पर्यावरण दोनों के लिए खतरनाक है, क्योंकि कूड़े के अंदर पॉलीथिन, कैमिक्ल पाऊस, बायोवेस्ट, प्लास्टिक का सामान व खाद्य सामग्री आदि के जलने से विषैला धुआं आसमान में उठता हैं, जो हवा में मिलकर अस्थमा ही नहीं आमजन के लिए भी गंभीर बीमारियों को न्योता देने का कारण बनता हैं। आग से उठने वाला धुआं खासकर अस्थमा रोगियों के लिए बहुत बड़ा खतरा हैं, क्योंकि उन्हें स्वच्छ हवा की आवश्यकता होती हैं। वहीं विषैला धुआं वातावरण में फैलने के बाद सबसे ज्यादा प्रभाव अस्थमा रोगियों को सांस लेने की परेशानी के रूप में होता हैं।

उल्लेखनीय हैं कि नगर परिषद द्वारा डोर-टू डोर-कूड़ा उठाने के लिए टिप्पर, कचरा प्वाइंटों से कूड़ा उठाने के लिए ट्रैक्टर-ट्रॉली व शहर के वार्डों की साफ-सफाई के लिए कर्मचारी तैनात है, जो प्रतिदिन साफ-सफाई करते हैं और कचरे को तिपहिया रेहड़ी में डालकर इक्ठ्ठा करते है, ऐसे में कई बाद देखने में आता हैं कि कर्मचारी कचरे को आग के हवाले कर देता हैं और कई बार राहगीर बीड़ी सिगरेट आदि फेंक देता हैं, जो भीषण गर्मी में बारूद की तरफ काम करती हैं। ज्येष्ठ माह में गर्मी भीषण एवं आग बरसाने वाली होती हैं, जिसमें काफी तेज रफ्तार से गर्म हवाएं व लू चलती हैं, जो एक तरह से झुलसा देने का काम करती हैं, ऐसे में कूड़े-कचरे मे आग लग जाना भयावय साबित होता हैं। कूड़े में पॉलीथिन, कैमिकल पाउच, बायोवेस्ट, प्लास्टिक सामान व खाद्य सामग्री आदि होते हैं, जिससे आग लगने से निकलने वाला धुआं बहुत ही जहरीला होता हैं, जो अस्थमा, कैंसर, लीवर की बीमारियों का कारण बनते हैं। आग से उठने वाला धुआं अस्थमा रोगियों के लिए खतरा पैदा करता हैं, वहीं स्वस्थ व्यक्ति को भी बीमारियों की गिरफ्त में लेने के लिए पूरा प्रभाव डालता हैं, जो धीरे-धीरे सांस के साथ फैफड़ों एवं हृदय को नुकसान पहुंचाता हैं और उसके स्वस्थ शरीर को बीमारियों की चंगुल में फांस लेता हैं।

भिवानी। चौधरी बंसीलाल पार्क के पास और पंचायत भवन की दीवार के पास कूड़े के ढेर में लगी आग।

कूड़ा जलाना दंडनीय अपराध

खुले में कूड़ा-कचरा जलाना राष्ट्रीय हरित अधिकरण के नियमों की उल्लंघना एवं दंडनीय अपराध हैं। कचरा जलाने से निकलने वाले कण एवं रसायन फैफड़ों एवं हृदय को नुकसान पहुंचाते हैं। नगर परिषद द्वारा सूखे और गीले कचरे को हमेशा अलग-अलग करने की हिदायतें दी जाती हैं और समय-समय पर जागरूकता संदेश भी दिया जाता हैं कि कचरे को जलाने की बजाय खाद तैयार करके अपने घरों की बाग-बगीची में डालें। इसके साथ ही गीले व सूखे कचरे को अलग-अलग करके नप की डोर-टू डोर-कूड़ा उठाने वाली टिप्पर गाड़ी में डालें। खुले में पड़े कच्चे को जलाने से जहरीली गैसें निकलती हैं जो लोगों के स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव डालती हैं इसलिए कूड़े को जलाना नहीं चाहिए।

श्वास रोग का बढ़ता खतरा

कूड़े-कर्कट में आग लगने से हानिकारक तत्व निकलते हैं, जो वायु, जल व भूमि प्रदूषण फैलाते हैं। कचरे में प्लास्टिक, पॉलीथिन व अन्य कैमिकलयुक्त सामान होता हैं, जो आग लगने के बाद जहरीली गैस उत्पन्न करता हैं और वायुमंडल में फैलकर श्वास रोगियों के साथ साथ आमजन के लिए खतरा पैदा करता हैं। वहीं कूड़ा जलने के बाद जमीन पर मिट्टी में विषैली सतह बन जाती हैं और पानी में मिलकर जल एवं भूमि प्रदूषण फैलाती हैं, जो कैंसर रोग का कारण बनती हैं। कूड़े में आग लगने से निकलने वाली जहरीली गैस लोगों को अस्थमा, कैंसर, गुर्दे व लीवर की बीमारियों की गिरफ्त में लेती हैं, इसलिए कूड़े में आग नहीं लगानी चाहिए।

- डॉक्टर डीके आहुजा, सर्जन, चौधरी बंसीलाल सामान्य अस्पताल, भिवानी

शिकायत करें

नगर परिषद द्वारा प्रतिदिन शहर से लगभग 150 टन कूड़ा कर्कट एकत्रित करके डंपिंग प्वाइंट पर डाला जाता हैं। इसके बावजूद अगर कहीं कोई सफाई कर्मचारी व क्षेत्रवासी कूड़ा जलाता हैं तो इसकी शिकायत नप के अधिकारियों या राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड में दर्ज करवाएं, ताकि विषैली एवं जहरीली गैस का प्रभाव हवा में फेलने से पहले ही उसपर काबू पाया जा सकें और कचरा जलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जा सकें। आमजन को भी खुले में कूड़ा-कचरा जलाने वालों को जागरूक करने एवं उन्हें मना करने में सहयोग करना पड़ेगा, ये हम सबकी नैतिक जिम्मेदारी हैं, जिससे आमजन को स्वच्छ वातावरण मुहैया हो सकें।

- **भवानी प्रताप सिंह**, चेयरपर्सन प्रतिनिधि, नगर परिषद भिवानी

दादरी पुलिस को मिली सफलता

राजस्थान का 25 हजारी इनामी बदमाश पकड़ा

आरोपी ने बौंदकलां में शिक्षक की गोली मारकर की थी हत्या

▪ आरोपी पर हरियाणा, राजस्थान, उतरप्रदेश व दिल्ली में 11 अपराधिक मामले दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▸▸ चरखी दादरी

चर्चित बौंदकलां शिक्षक हत्या व राजस्थान से 25 हजार रुपये के इनामी बदमाश को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया हैं। आरोपी पर हरियाणा, राजस्थान, उतरप्रदेश व दिल्ली में 11 अपराधिक मामले दर्ज हैं। ज्ञात रहे कि 10 मई रात को बाइक सवार युवकों ने बौंदकलां निवासी शिक्षक ललीत की गोली मारकर हत्या कर दी थी। मृतक के भाई नवीन आर्य ने शिकायत में बताया था कि बाइक सवार जितेंद्र उर्फ जीतू, अजीत उर्फ बुचा, नितीन उर्फ कालिया और सतेंद्र उर्फ लीला ने गोली मारकर हत्या की है।

मृतक के भाई नवीन ने बताया कि करीब 15 वर्ष पूर्व ललीत पर जानलेवा हमला हुआ था, जिसमें सतेंद्र उर्फ लीला और अन्य आरोपियों के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज हुआ था। उसी रंजिश को लेकर उसके भाई की हत्या की गई है। पुलिस ने नवीन की शिकायत पर हत्या का मामला दर्ज किया था। पुलिस ने आरोपी अमरजीत उर्फ मोनू को राजस्थान से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी अमरजीत पर हरियाणा, राजस्थान, उतरप्रदेश व दिल्ली सहित 11 अपराधिक मामले चल रहे हैं, जिनमें ज्यादातर लुट, चोरी, डकैती , हत्या के प्रयास, हत्या व फिरौती आदि संगीन मुकदमे दर्ज हैं। आरोपी ने बताया कि उसने वारदात के बाद देशी पिस्तौल एवं कारतूस कलियाणा पहाड़ में छिपा रखे हैं। निशानदेही पर पुलिस टीम ने देशी पिस्तौल और चार जिंदा कारतूस बरामद किए।

भागने का किया प्रयास

आरोपी अमरजीत ने पुलिस को धक्का देकर पहाड़ से नीचे कूदकर भागने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए उसे दोबारा काबू कर लिया। इस दौरान आरोपी घायल हो गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जिला जेल भेज दिया गया। पुलिस अधीक्षक लोगेश कुमार ने बताया कि मामले में अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी एवं जांच प्रक्रिया लगातार जारी है तथा किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा।

लोकायुक्त ने किया जिला जेल का निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भिवानी

लोकायुक्त जस्टिस हरिपाल वर्मा ने रविवार को जिला कारागार का निरीक्षण किया। उन्होंने यहां पर जेल बन्दियों से बात की और उनकी समस्याएं जानी। उन्होंने जेल अधिकारियों को निर्देश दिए कि जेल बंदियों को किसी भी प्रकार से परेशानी नहीं होनी चाहिए।

जेल बंदी मानसिक प्रताड़ना का शिकार ना हों। इस दौरान जस्टिस वर्मा की धर्मपत्नी सरोज वर्मा, जेल अधीक्षक सेवा सिंह सहित कारागार के सभी अधिकारी मौजूद थे। निरीक्षण के दौरान जेल बंदियों ने जस्टिस हरिपाल वर्मा के स्वागत में रागनी प्रस्तुत की। जस्टिस वर्मा ने कारागार में डिस्पेंसरी का निरीक्षण किया और चिकित्सकों से बात की। उन्होंने भंडार गृह और रोटी बनाने वाली मशीन को भी देखा। इस दौरान उन्होंने महिला जेल बंदियों से भी बात की। उन्होंने जेल बंदियों से बातचीत करते हुए कहा कि जाने अनजाने में इंसान से कोई भी भूल हो जाती है। कारागार में आकर भूल को सुधारने का एक अवसर होता है। भूल को सुधार कर समाज की मुख्य धारा में आना चाहिए। जानबूझकर कोई भी अपराध नहीं करना चाहिए।

निर्माण मजदूरों ने श्रम मंत्री का पुतला फूंका

हरिभूमि न्यूज ▸▸ बाढ़ड़ा

▪ 11 महीनों से बंद पड़े श्रम विभाग के पोर्टल को तुरंत खोलने की मांग

खंड के गांव जीतपुरा व बेरला में निर्माण मजदूरों ने लंबित मांगों को लेकर हरियाणा सरकार के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन करते हुए श्रम मंत्री अनिल विज एवं मुख्यमंत्री नायाब सैणी का पुतला दहन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सुन्डु जीतपूरा एवं विजय कुमार बेरला ने की।

प्रदर्शन कर रहे मजदूरों ने सरकार पर निर्माण मजदूरों की समस्याओं की लगातार अनदेखी करने का आरोप लगाया। पुतला दहन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भवन निर्माण कामगार यूनियन सीटू हरियाणा के जिला संयोजक सुमेर सिंह तथा खंड कोषाध्यक्ष रोशन लाल ने कहा कि 3 जून अनाज मंडी बाढ़डा में विशाल मजदूर महापंचायत आयोजित की जाएगी और प्रदर्शन करते हुए क्रांतिकारी चौक पर श्रम मंत्री अनिल विज एवं मु यमंत्री नायाब सैणी का पुतला दहन किया जाएगा। नेताओं ने कहा कि पिछले 11 महीनों से श्रम विभाग का पोर्टल बंद पड़ा है। उन्होंने मांग की कि बंद पड़े श्रम पोर्टल को तुरंत खोला जाए। प्रदर्शन के दौरान मजदूरों ने निर्माण मजदूर एकता जिंदाबाद, मजदूर विरोधी सरकार मुर्दाबाद, बंद पोर्टल तुरंत खोलो और मजदूरों का शोषण बंद करो जैसे गगनभेदी नारे लगाए। रोष प्रदर्शन में सोमबीर, संजय, अली मोह मद, नरेश, सुखबीर सिंह, सुमेर सिंह, कविता, अनिता, सुमन सहित अनेक निर्माण मजदूर उपस्थित रहे।

गोशाला में आज होगा जागरण श्रद्धालुओं से पहुंचने की अपील

बहल। गोसेवक स्व. ताराचंद अग्रवाल की 11वीं पुण्यतिथि के अवसर पर श्री अलख गोशाला ट्रस्ट, बहल द्वारा 25 मई सोमवार को जागरण का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम रात्रि 8:15 बजे से श्री अलख गोशाला ट्रस्ट परिसर में शुरू होगा। आयोजक एवं पूर्व सरपंच गजानंद अग्रवाल ने बताया कि जागरण में क्षेत्र के श्रद्धालु बड़ी संख्या में पहुंचकर भजन-कीर्तन का आनंद लेंगे तथा स्व. ताराचंद अग्रवाल को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। उन्होंने कहा कि गोसेवा और धार्मिक आयोजनों से समाज में भाईचारे व आध्यात्मिक वातावरण को बढ़ावा मिलता है। उन्होंने क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की।

कंवर साहेब महाराज ने साध-संगत को प्रवचनों से किया निहाल

संत-महापुरुषों की वाणी परम सत्य और अनुभव की धरोहर

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भिवानी

दिनोद गांव स्थित राधास्वामी आश्रम में आयोजित दैनिक सत्संग में परमसंत हुजूर कंवर साहेब महाराज ने साध-संगत को आशीर्वाद देते हुए कहा कि वेद, शास्त्र तथा संत-महापुरुषों की वाणी परम सत्य और अनुभव की धरोहर है। संतों की बानी को जस का तस ग्रहण करना चाहिए, क्योंकि संतों के मुख से निकला प्रत्येक शब्द ब्रह्मांड का नाद होता है।

उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में ज्ञान की कमी के कारण संत वाणी का उच्चारण और अर्थ विकृत हो रहे हैं, जिससे उसके वास्तविक भाव बदल जाते हैं। हुजूर कँवर साहेब महाराज ने कहा कि संतों ने अपनी वाणी उस समय की परिस्थितियों और अपने दिव्य अनुभवों के आधार पर प्रकट की थी। युग बदलने के बाद भी संत बानी उतनी ही यथार्थ और कल्याणकारी है जितनी उस समय थी। उन्होंने कहा कि निरर्थक वाद-विवाद केवल अशांति फैलाता है, जबकि सत्संग मनुष्य को चरित्रवान, संयमी और सात्विक बनाता है।साध-संगत को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि "जैसी मन की गति होती है, वैसी ही मनुष्य की नियति बनती है।" भक्ति मनुष्य को सच्चा और सुरखुरू बनाती है, परंतु यदि भक्ति के पश्चात भी व्यक्ति के भीतर निंदा, चुगली, छल और चोरी जैसी प्रवृत्तियाँ बनी रहें तो वह भक्ति नहीं बल्कि चतुराई मात्र है।परमसंत हुजूर कंवर साहेब महाराज ने कहा कि मन को साधने के लिए सतगुरु की आवश्यकता होती है। सतगुरु वह दिव्य कड़ी है जो जीव को जगत से मोड़कर परमात्मा से जोड़ती है। जीव काल और माया का कैदी है तथा मनुष्य अपनी बुद्धि और चतुराई से आध्यात्मिक मार्ग प्राप्त नहीं कर सकता। परा विद्या के मार्ग में केवल मन की निर्मलता और गुरु की कृपा ही सहायक होती है।उन्होंने कहा कि गुरु के वचन संसारिक रस में डूबे हुए मनुष्य को प्रारंभ में कठोर प्रतीत होते हैं, क्योंकि उसकी जिह्वा को जगत के भोगों का स्वाद लगा होता है।

भक्ति केवल शब्दों तक सीमित नहीं बल्कि इसे जीवन के हर पल में उतारना जरूरीः यशपाल सिंह

भिवानी। हांसी गेट पर स्थित संत निरंकारी सत्संग भवन में विशेष सत्संग का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता कोटा (राजस्थान) से पधारे विद्वान महात्मा यशपाल सिंह ने की । इस अवसर पर निरंकारी श्रद्धालु एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। उपस्थित मानव समाज को संबोधित करते हुए यशपाल सिंह ने फरमाया कि भक्ति केवल शब्दों तक सीमित नहीं है बल्कि इसे जीवन के हर पल में उतारना आवश्यक है। जब मनुष्य को हर समय परमात्मा की उपस्थिति का एहसास बना रहता है तब जीवन सरल, शांत और सकारात्मक बन जाता है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में सतगुरु माता सुदीक्षा महाराज की अगुवाई में संत निरंकारी मिशन रक्तदान शिविरों का आयोजन करके मानवता की सेवा कर रहा है। मानवता ही सच्चा धर्म है । हमारे सतगुरु यही पैगाम दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि मन को स्वच्छ रखना भी उतना ही आवश्यक है जितना शरीर को। उन्होंने समझाया कि वास्तविक साधना स्वयं को सुधारने में है, यदि कोई कठोर वचन बोले तो उसे विनम्रता और सहनशीलता से स्वीकार कर प्रेम पूरक उत्तर देना ही आध्यात्मिक जीवन की पहचान है। इस कार्यक्रम में निरंकारी भक्तों द्वारा हिंदी, हरियाणवी, राजस्थानी भाषाओं के माध्यम से भजन प्रस्तुत किए गए। इस अवसर पर भिवानी जोन के जोनल इंचार्ज बलदेव राज नागपाल द्वारा उपस्थित मानव समाज का आभार व्यक्त किया गया ।

आस्था का केंद्र

झज्जर जिले के बेरी कस्बा में दो मंदिर हैं और इनमें रखी जाने वाली माता भीमेश्वरी देवी की मूर्ति एक ही है। बताते हैं कि प्रारंभ में इस जगह पर घना जंगल था। इसमें ऋषि दुर्वासा रह रहे थे। ऋषि दुर्वासा रोजाना सुबह माता भीमेश्वरी देवी की मूर्ति को बाहरी मंदिर में लाते और दोपहर बाद मूर्ति को भीतरी मंदिर में रख देते थे। मूर्ति को आंतरिक मंदिर से बाहरी मंदिर तक ले जाने की यह प्रक्रिया अभी भी धार्मिक रूप से पालन की जा रही है।

हरिभूमि
रोहतक, सोमवार, 25 मई 2026

हरियाणवी के अनन्य साधक रहे पं. हरिकेश पटवारी

हरिकेश पटवारी न केवल एक उत्कृष्ट कोटि के कवि थे, बल्कि वे एक कुशल रेडियो गायक, प्रखर विचारक और समाज के यथार्थ को अपनी रचनाओं में हुबहू उतारने वाले दूरदर्शी कलाकार थे जिन्होंने अपनी सहज और सरल लोकभाषा के माध्यम से लोक-साहित्य को एक नया आयाम दिया।

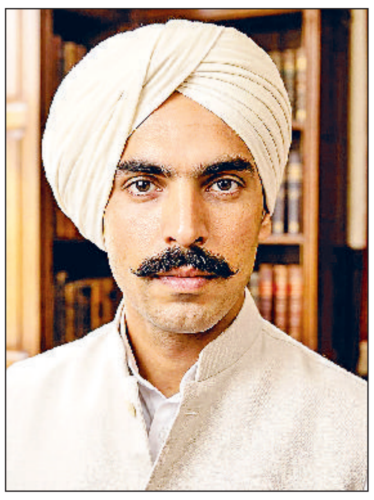

लोक साहित्य

दिनेश शर्मा 'दिनेश'

हरियाणा का लोक-साहित्य केवल मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि जनमानस के संघर्षों, नैतिक मूल्यों और सामाजिक चेतना का एक जीवंत दस्तावेज़ है, जिसने सदियों से इस क्षेत्र की पहचान को अक्षुण्ण रखा है। 'सांग' और 'रागनी' जैसी समृद्ध विधाओं के साहित्यिक क्षेत्र में अनेक ऐसी महान विभूतियां उभरीं, जिन्होंने अपनी अनमोल लेखनी से लोक-भाषा को अमर बना दिया।

इसी शृंखला में एक दैदीप्यमान नक्षत्र की तरह चमकते हैं लोककवि पं. हरिकेश पटवारी। पं. हरिकेश पटवारी न केवल एक उत्कृष्ट कोटि के कवि थे, बल्कि वे एक कुशल रेडियो गायक, प्रखर विचारक और समाज के यथार्थ को अपनी रचनाओं में हुबहू उतारने वाले दूरदर्शी कलाकार थे जिन्होंने अपनी सहज और सरल लोकभाषा के माध्यम से लोक-साहित्य को एक नया आयाम दिया। पं. हरिकेश पटवारी का जन्म पंडित उमाशंकर और बसन्ती देवी के घर में 7 अगस्त 1898 को तत्कालीन पंजाब के संगरूर जिले के अंतर्गत आने वाले धनौरी गांव में हुआ था, जो वर्तमान समय में हरियाणा के कैथल जिले की नरवाना तहसील का हिस्सा है। उनके जन्म के समय यह क्षेत्र पटियाला रियासत का एक अभिन्न हिस्सा हुआ करता था, जिससे उनके जीवन और प्रारंभिक वैचारिक विकास पर रियासती दौर की व्यवस्थाओं और ग्रामीण परिवेश का गहरा प्रभाव पड़ा। एक साधारण ब्राह्मण परिवार में जन्मे हरिकेश की प्रारंभिक शिक्षा धनौरी में ही संपन्न हुई, जिसके बाद वे उच्च शिक्षा के लिए पंजाब के खन्ना क्षेत्र में चले गए और वहां से अपनी माध्यमिक शिक्षा पूरी की। उन्होंने राजस्व विभाग में पटवारी के पद पर सरकारी सेवा प्रारंभ की। इसी पद पर कार्य करने के कारण वे लोकमानस में पं. हरिकेश पटवारी के नाम से विख्यात हुए और उन्हें ग्रामीण समाज, किसानों की समस्याओं और सरकारी तंत्र की कार्यप्रणाली को बहुत ही करीब से देखने का अवसर मिला। वे अपनी कुशाग्र बुद्धि, तीक्ष्ण समझ और हाजिर-जवाबी के लिए पूरे क्षेत्र में प्रसिद्ध थे तथा उन्होंने कई भाषाओं में लेखन का कार्य भी किया। वर्ष 1947 में देश की आजादी के बाद जब भारत एक नए युग में प्रवेश कर रहा था, तब हरियाणा के सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक परिवेश को उन्होंने बहुत ही विश्वसनीय, प्रामाणिक और पारदर्शी ढंग से अपनी रचनाओं के माध्यम से जनता के सामने प्रस्तुत किया। उनकी रचनाओं में व्यक्त सच्चाई और सहज कला के कारण उनकी रागनियां आम जनमानस में अत्यधिक लोकप्रिय हुईं, क्योंकि ग्रामीण आंचल के किसान, मजदूर और सामान्य नागरिक उनकी कविताओं में अपनी ही आवाज पाते थे। उनकी चार पुस्तकें हरियाणवी लोक-साहित्य की अनमोल धरोहर मानी जाती हैं, जिनमें वैराग्य रत्नमाला, आजादी की झलक, हरिकेश पुष्पांजलि और प्रश्नोतरी शामिल हैं। इन प्रकाशित पुस्तकों के अतिरिक्त उनकी कई अमूल्य रचनाएं अप्रकाशित भी रह गईं जिनमें सत्यवान-सावित्री, जानी चोर, हरफूल जाट और ऊखा-अनिरुद्ध आदि किस्से शामिल हैं जो प्रमाणित करती हैं कि उनकी पैठ पौराणिक आख्यानों से लेकर समकालीन लोक-इतिहास तक समान रूप से गहरी थी। पं. हरिकेश पटवारी के काव्य का क्षेत्र अत्यंत व्यापक है जिसमें ईश्वर की असीम सत्ता और प्रकृति के रहस्यों के प्रति गहरा कौतुक और दार्शनिक दृष्टिकोण दिखाई देता है जिसका एक अनुपम उदाहरण उनके इस काव्य संदर्भ में मिलता है जहाँ वे कहते हैं:बड़े बड़े गए हार, तेरी है अपार माया ,कहीं परथल कहीं चलें फवारे, तेरी कुदरत के अजब नजारे,तारे चन्द्रमा और भान, बादल बिजली के निशान,बिना खंभे आसमान, कौन से सीस पर टिकाया ।इन पंक्तियों में कवि ने ब्रह्मांड की रचना पर आश्चर्य और श्रद्धा व्यक्त करते हुए बताया है कि बड़े-बड़े विद्वान भी ईश्वर की इस अपार माया को समझने में हार मान चुके हैं और बिना किसी खंभे या सहारे के इस विशाल आसमान को ईश्वर ने किस अदृश्य शीश या आधार पर टिका रखा है यह इंसानी बुद्धि के परे है। हरिकेश एक सजग लोककवि थे इसलिए वे समाज में व्याप्त विसंगतियों और अन्याय को देखकर चुप नहीं रह सके और उन्होंने उस कड़वे यथार्थ को अपनी कविता का विषय बनाया जहां सदाचारी दुखी हैं और पापी सुखी हैं जिसके बारे में वे भगवान से ही सीधे प्रश्न करते हैं:

भूखे मरते भक्त, ऐश करते ठग चोर जवारी क्यूं,
फिर भगवान तनै न्यायकारी कहती दुनिया सारी क्यूं,
नशे विषे में मस्त दुष्ट सुख की निद्रां सोते देखे,
सतवादी सत पुरुष भूख में जिन्दगानी खोते देखे,
एम.ए. बी.ए. पढ़े लिखे सिर पर बोझा ढोते देखे

यह रचना उनकी सामाजिक चेतना का चरमोत्कर्ष है जिसमें वे शिक्षा और रोजगार की विसंगति पर प्रहार करते हुए कहते हैं कि उच्च शिक्षा प्राप्त योग्य युवा बेरोजगार होकर सिर पर बोझा ढोने के लिए मजबूर हैं जबकि मूर्ख और अनपढ़ लोग ऊंचे पदों और कुर्सियों पर आसीन होकर राज कर रहे हैं। कवि ने संसार के लोगों के स्वभाव और प्रवृत्तियों का बहुत ही सूक्ष्म अध्ययन किया था और वे जानते थे कि हर मनुष्य अपनी ही धुन में, अपने ही स्वभाव में मस्त है जिसे वे अपनी पंक्तियों में इस प्रकार व्यक्त करते हैं:

कोई अनुरागी कोई त्यागी कोई बल और धन में मस्त कोई,
कोई ज्ञानी कोई ब्रह्मज्ञानी खल मूर्खपन में मस्त कोई,
रज्या मरै कोई बरत करे और पौ भर अन्न में मस्त कोई,
झक मारै कोई बक मारै रहै मोनी मन में मस्त कोई।

यह काव्य संदर्भ सिद्ध करता है कि वे एक महान मनोवैज्ञानिक कवि थे जिन्होंने मानव व्यवहार के हर रंग को पहचानकर उसे शब्दों में ढाला।एक सच्चे कलाकार और स्वाभिमानी कवि के रूप में पं. हरिकेश पटवारी ने कभी भी अपनी कला का सौदा नहीं किया और वे जानते थे कि जहां कला, ज्ञान और गुणी जनों की कद्र न हो, वहां अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करना व्यर्थ है जिसे वे इस प्रकार प्रकट करते हैं:

जहां जूत लगें और मिले मिठाई वो अनखज खाणा के,
जो कह के गुरु-गुरु बणजै इसे सतसंग का पाणा के,
जहां मूरख लंठ राज बैठे वहां निरगुण का गाणा के,
तै बिना कदर हरीकेश पकड़ ली कविता मूठ ढाल की।

यहां वे उन पाखंडी और धूर्त लोगों पर चोट करते हैं, जो केवल छल से किसी के गुरु बन बैठते हैं और जहां कला की कोई कद्र ही नहीं है, वहां कविता रचना व्यर्थ मानते हैं। वैराग्य और दर्शन के क्षेत्र में पं. हरिकेश पटवारी का दृष्टिकोण अद्वैतवादी संतों जैसा था जो ईश्वर को चराचर जगत के कण-कण में व्याप्त देखते थे, इसे उन्होंने बहुत ही सुंदर शब्दों में पिरोते हुए लिखा है:

भगत तेरे बस रहे सदा भगतों के बस में तू है,
लता पात फल फूल मूल धातु सब रस में तू है,
रूप चरम लहू माँस हाड़ नाड़ी नस-नस में तू है,
वन मरण लाभ हानि सब जस-अपजस में तू है।

कवि कहता है कि वनस्पति की लताओं, पत्तों, फलों, फूलों और मनुष्य के भौतिक शरीर की हड्डियों, नाड़ियों और नस-नस में केवल वही विधाता व्याप्त है। लोककवि का एक मुख्य दायित्व समाज को सही मार्ग दिखाना और नैतिक मूल्यों की स्थापना करना भी होता है। उन्होंने आम जनमानस को जीवन जीने की कला सिखाते हुए इस प्रकार उपदेश दिया है:

शील सबर धीरज धारण करके सन्तोषी रहा कर,
चोरी जारी बदकारी से सौ-सौ कोस दूर रहा कर,
अफीम शराब चरस भंग पीकर मत बेहोश रहा कर,
कंच पात्रसम शुद्धचित्त निर्मल निर्दोष रहा कर।

इन पंक्तियों में कवि मनुष्य को समझाते हैं कि वन में हमेशा शील, संतोष और धैर्य को धारण करना चाहिए तथा हर प्रकार के बुरे कर्मों और नशों से दूर रहकर अपना चरित्र कांच के साफ बर्तन के समान निर्मल रखना चाहिए। पं. हरिकेश ने अपनी राष्ट्रभक्ति और स्वतंत्रता आंदोलन के संघर्षों को भी अपनी अमर लेखनी से अंकित किया है जिसका जीवंत प्रमाण उनकी पुस्तक आजादी की झलक से मिलता है, जहां वे ब्रिटिश हुकूमत के अत्याचारों और उनकी दमनकारी नीतियों का अत्यंत मार्मिक चित्रण करते हुए लिखते हैं:

अंग्रेजों ने म्हारे देश को बिल्कुल चकनाचूर किया।
लूट लिया धन माल हिन्द का अपना घर भरपूर किया।
ऐसी डाली फूट सगा भाई भाई से दूर किया।
बंधी बुहारी खोल बिखेरी कितना बड़ा कसूर किया।

इन पंक्तियों के माध्यम से कवि ने उस ऐतिहासिक सच्चाई को बयां किया है कि कैसे विदेशी शासकों ने भारत की अपार धन-संपदा को लूटकर अपने देश को भरा और हमारी आपसी एकता को छिन्न-भिन्न करने के लिए फूट डालो और राज करो की कुटिल नीति अपनाई जिससे उन्होंने प्रेम से रहने वाले सगे भाइयों को एक-दूसरे से दूर कर दिया और पूरे समाज को तिनके-तिनके की तरह बिखेर कर देश को कमजोर कर दिया। इस महान सफलता और लोक-सेवा के पथ पर चलते हुए अंततः 8 फरवरी 1954 को पं. हरिकेश पटवारी इस नश्वर संसार से चल बसे परंतु अपनी अमर लेखनी के कारण वे आज भी लोक-मानस में जीवित हैं। पं. हरिकेश पटवारी के काव्य की सबसे बड़ी विशेषता उसकी भाषा की तरलता और सरलता है जो ठेठ हरियाणवी और लोक-भाषा का ऐसा सुसंस्कृत रूप है जिसे समाज का हर वर्ग समान रूप से समझ सकता है। उन्होंने एक पटवारी के रूप में समाज के व्यावहारिक धरातल को नापा और एक कवि व गायक के रूप में समाज की आत्मा को झंकृत किया जिससे उनका जीवन अत्यंत सादगीपूर्ण और साहित्यिक योगदान अत्यंत विशाल व समृद्ध रहा। भले ही वे आज हमारे बीच भौतिक रूप से उपस्थित नहीं हैं लेकिन उनका जीवन दर्शन और उनकी कालजयी रचनाएं हरियाणवी लोक-साहित्य के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में अंकित रहेंगी और आने वाली पीढ़ियों को हमेशा सत्य, सदाचार और लोक-संस्कृति के प्रति निष्ठा की प्रेरणा देती रहेंगी।

भले ही वे आज हमारे बीच भौतिक रूप से उपस्थित नहीं हैं लेकिन उनका जीवन दर्शन और उनकी कालजयी रचनाएं हरियाणवी लोक-साहित्य के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में अंकित रहेंगी और आने वाली पीढ़ियों को हमेशा सत्य, सदाचार और लोक-संस्कृति के प्रति निष्ठा की प्रेरणा देती रहेंगी।

पं. हरिकेश पटवारी के काव्य की सबसे बड़ी विशेषता उसकी भाषा की तरलता और सरलता है जो ठेठ हरियाणवी और लोक-भाषा का ऐसा सुसंस्कृत रूप है, जिसे समाज का हर वर्ग समान रूप से समझ सकता है।

रागिनी

सत्यवीर नाहड़िया

न्यूं बिदबान बतावैं

राग हुवैं छै-तीस रागनी, कोये छत्तीस गिणावैं।
दिखे राग की राणी हों ये,रै न्यूं बिदबान बतावैं।।

टेक-कळी अर तोड़ हुवैं सैं, इसकी धड़कण प्यारी।
कई तरां की कळी बतायी, हो ताल-तरज न्यूँ न्यारी।
गावण की न्यारी लयकारी,ये तिन्नूँ खास बणावैं।
दिखे राग की राणी हों ये, रै न्यूँ बिदबान बतावैं।।

हरियाणा अर चोगरदे नै ये सदा गूँजती आयी।
माँग साँग की भोत कदे थी,आग्गै फुटकड़ छायी।
वही रागणी पूरी पायी,जो कसी छंद म्हैं जावैं।
दिखे राग की राणी हों ये, रै न्यूँ बिदबान बतावैं।।

गाम-गाम म्हैं मिलैं गवैये,साज बजावैं न्यारे।
ढोलक-पेट्टी घड़वा-बैंजू,ताल मिलावैं सारे।
कथ कै गाग्ये बड्डे म्हारे,इब कौण उसी रच पावैं?
दिखे राग की राणी हों ये, रै न्यूँ बिदबान बतावैं।।

हरियाणा के सांगी-गायक,खूब दूर लग छाये।
कह 'नाहड़िया' कलमतोड़ वै, न्यारे इतिहास बणाये।
गावण के घर दूर बताये,पर रोज भतेरे गावैं।
दिखे राग की राणी हों ये, रै न्यूँ बिदबान बतावैं।।

कविता

त्रिलोक चंद फतेहपुरी

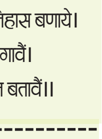

देश की अखंडता

नौजवानों देश का ऊंचा भाल राखियो ।
देश की अखंडता का ख्याल राखियो।।

कयी देश द्रोही सिर अपणा ठावैं ।
देश की अखंडता नै तोड़णा चाहवै ।
ऐसे क्रूर जालिमों की पड़ताल राखियो ।
देश की अखंडता का ख्याल राखियो ।।

सीमा पै पड़ोसी बैरी तण कै खड़ा सै ।
म्हारी एकता खंडित करण नै अड़ा सै ।
एकता कदे ना टूटे वा ढाल राखियो ।
देश की अखंडता का ख्याल राखियो ।।

जात धर्म के कयी बणै सैं हिमाती ।
भाषा विवाद आळै घणै खुरापाती ।
उन दुष्टों का ध्यान हर हाल राखियो ।
देश की अखंडता का ख्याल राखियो ।।

देश की अखंडता कायम , सुरक्षित हो
उन्नति के पथ पै देश सदा अग्रसित हो
त्रिलोक प्यारे देश को बेमिसाल राखियो ।
देश की अखंडता का ख्याल राखियो।।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

संस्कृति

हरियाणा में ग्राम-राज की आत्मा और लोकतंत्र का अनौपचारिक मैदान कहलाती हैं चौपालें

चौपालों की नई भूमिका को निर्मित करना जरूरी

जनजीवन

डॉ. प्रियंका सौरभ

हरियाणा की धरती पर चौपालें ऐसे स्थान हैं, जहां गांव की खामोशी में राजनीति की बात होती है, लोक-संस्कृति की गूंज बजती है और सामाजिक ठहराव की गहरी दरारें भी दिखाई देती हैं। ये छोटे-छोटे, अक्सर मिट्टी-पगडंडियों के किनारे बने कच्चे मंच आज भी ग्रामीण जीवन की धड़कन बने हुए हैं। यही चौपालें आम जनता, महिलाओं, युवाओं और सत्ताधारियों के बीच अनौपचारिक संवाद का अनमोल माध्यम हैं, जिनकी गूंज आधुनिक राजनीति, नीति-निर्माण और लोक-संस्कृति तीनों स्तरों पर अपनी प्रासंगिकता बरकरार रखती है।

हरियाणा की चौपालें ग्रामीण समाज की पारम्परिक ग्राम-सभा की उत्तराधिकारी हैं, जहां समुदाय खुले आम बैठकर विवाद, नीति-प्रभाव और दैनिक समस्याओं पर बात करता है। यहां न केवल जमीन-पानी, सिंचाई, राशन-योजना या बिजली-समस्या जैसे मुद्दे उठते हैं,

बल्कि गांव के बच्चों की शिक्षा, लड़कियों की सुरक्षा और पंचायत-निर्वाचन की रणनीति भी इसी अनौपचारिक मंच पर तैयार होती है। इस रूप में चौपाल लोकतंत्र की जड़ों का एक जीवित प्रतीक बन जाती है, जहां बिना नोटिस नियम-फाइल के आम आदमी की आवाज बिना फिल्टर के गूंजती है। लेकिन यही चौपालें एक कठोर सामाजिक सिस्टम का हिस्सा भी हैं, जहां जाति-प्रभुत्व, तानाशाही पितृत्व-नेतृत्व और वंशवाद की बातें भी अक्सर दबी आवाज में टकराती हैं। ऐसे में चौपाल एक दोहरी भूमिका निभाती है – वहीं जहां लोकतांत्रिक भागीदारी की संभावना झलकती है, वहीं सामाजिक विभाजन और असमानता की दीवारें भी और ऊंची उठती प्रतीत होती हैं। इस द्वंद्व के बीच चौपाल की नई भूमिका को निर्मित करना आज की जरूरत है।
हरियाणा में चुनावी रणनीति अक्सर दिल्ली या चंडीगढ़ के पार्टी-कार्यालयों से शुरू नहीं होती, बल्कि गांव-गांव की चौपालों से शुरू होती है। प्रत्येक पंचायत-निर्वाचन से पहले चौपालें "राजनीतिक मुख्यालय" बन जाती हैं, जहाँ उम्मीदवारों के विज्ञापन, समर्थकों की बैठकें और वोट-संरचना पर खुलकर चर्चा होती है। यहाँ जाति-समीकरण, वंशवाद-विरोध, नई पीढ़ी की अपेक्षाएं और सरकारी योजनाओं की वास्तविकता से जुड़े तथ्यों का जीवंत विश्लेषण होता है। इसी कारण चौपाल एक अनौपचारिक राजनीतिक बाज़ार भी बन जाती है, जहाँ मतदाता व उम्मीदवार दोनों एक-दूसरे से सीधा संवाद स्थापित करते हैं। यहाँ नारे नहीं, बल्कि रोटी-सिंचाई-रोज़गार जैसे ठोस विषय चर्चा का आधार होते हैं। इस प्रकार चौपाल राजनीति को ग्रामीण धरातल पर उतारती है और उसे अमूर्त राजनीतिक विचारों से आम जनजीवन से जोड़ती है। चौपालें राजनीति से हटकर ग्रामीण संस्कृति का एक जीवंत मंच भी हैं। यहां तीज, बासंत, लोहड़ी, दीपावली और विवाह-उत्सवों के समय हरियाणवी लोक-गीत, ठाप, झूमर, नाद-नृत्य और ग्रामीण लोक-कथाएं गूंजती हैं। यहीं झूले, मेहंदी, गीत-संगीत और भोज-संस्कृति से जुड़ी सामाजिक बातें भी चलती हैं, जिनसे ग्राम-समाज की भावनात्मक जुड़ाव और सामाजिक नेटवर्क जीवित रहते हैं। चौपाल सिर्फ सामाजिक-राजनीतिक मंच नहीं, बल्कि ग्रामीण महिलाओं की अदृश्य रचनात्मक ऊर्जा का भी एक महत्वपूर्ण अभिव्यक्ति-स्थल है। यहीं से लोक-कथाएं, भावनाओं की भाषा और नारी-पहल की छोटी-छोटी शुरुआतें शहर-स्तरीय उत्सवों और मेलों के माध्यम से बाहर दुनिया तक पहुंचती हैं। आधुनिक युग में चौपालों की भूमिका अपने आप बदल रही है।

मोबाइल, डिजिटल मीडिया और ऑनलाइन बात-चीत ने ग्रामीण जनता की जानकारी के स्तर को उठाया है, लेकिन इसके साथ-साथ युवा पीढ़ी की चौपालों से दूरी भी बढ़ रही है। जहाँ कभी गांव के बुजुर्ग और युवा एक ही छत्र में बैठकर बातचीत करते थे, वहाँ आज सोशल-मीडिया और व्हाट्सएप ग्रुप अक्सर नए मंच बन जाते हैं। चौपाल की अवधारणा को नवीनीकरण की ज़रूरत है। यह डिजिटल युग के साथ जुड़कर एक नई पहचान बना सकती है जैसे "डिजिटल चौपाल", "युवा चौपाल" या "नारी चौपाल", जहां ग्रामीण समाज की नई पीढ़ी की भाषा और चिंताओं को भी समान रूप से शामिल किया जा सके। हरियाणा में चौपलों की गूँज आज भी जीवित है, लेकिन इसे सिर्फ पारम्परिक प्रतीक के रूप में न रखकर एक नवीनीकृत सामाजिक और सांस्कृतिक मंच के रूप में देखने की आवश्यकता है। यह चौपाल आज भी ग्रामीण जनता की आवाज, राजनीति की बुनियाद और सांस्कृतिक धड़कन तीनों को एक साथ जोड़ती है। इसे सुदृढ़ करना और उसे नवीन रूप देना, आधुनिक ग्राम-राज्य की स्वस्थ प्रगति के लिए अनिवार्य है।

सपनों को उम्र नहीं, सिर्फ हौसला चाहिए : डिंपल चौधरी

कलाकार

डॉ. तबस्सुम जहां

जिंदगी सिर्फ जिम्मेदारियों का नाम नहीं होती, कभी-कभी अपने अंदर छुपे कलाकार को जी लेना भी ज़रूरी होता है- यह पंक्ति सिर्फ़ एक विचार नहीं, बल्कि डिंपल चौधरी के पूरे जीवन का सार है। एक ऐसी महिला, जिसने परिवार, नौकरी और सामाजिक जिम्मेदारियों के साथ-साथ अपने सपनों को भी पूरी शिद्दत से जिया और यह साबित किया कि अगर हौसले ज़िंदा हों, तो सपनों की कोई उम्र नहीं होती।

नोएडा में रहने वाली डिंपल का जन्म पुठकला में हुआ और उनकी पूरी पढ़ाई-लिखाई नजफगढ़ में हुई। बचपन से ही वह उन लड़कियों में शामिल रहीं जो सिर्फ़ किताबों तक सीमित नहीं थीं। स्कूल का कोई भी कार्यक्रम हो -डांस, स्पोर्ट्स, स्टेज एक्टिंग या अन्य गतिविधियां, उनका नाम हमेशा सबसे आगे रहता। अपने कॉलेज के दिनों में उन्होंने बैडमिंटन में भी कई पुरस्कार जीते। आज वह दिल्ली यूनिवर्सिटी में कार्यरत हैं और अपने काम को पूरी ईमानदारी और समर्पण के साथ निभा रही हैं। उनके पति सॉफ्टवेयर के क्षेत्र में अपना व्यवसाय चलाते हैं और हर

कदम पर उनका हौसला बढ़ाते रहे हैं। डिंपल ने ससुराल में भी उनकी सासू मां, जो एक रिटायर्ड प्रिंसिपल रह चुकी हैं, से डिंपल ने अनुशासन और आत्मविश्वास सीखा। परिवार के अन्य सदस्य देवर-देवरानी सभी ने हमेशा उन्हें प्यार और सहयोग दिया। डिंपल बहुत अच्छी डांसर हैं।

उन्होंने कई सांस्कृतिक कार्यक्रमों और मंचों पर अपनी नृत्य प्रस्तुतियां दीं। उनके लिए डांस केवल कला नहीं, बल्कि आत्मा की आवाज़ है। धीरे-धीरे उनका अभिनय सफर भी आगे बढ़ता गया। उन्होंने कई शॉर्ट फिल्मों में काम किया, जिनमें "ये ही दहेज है", "परिश्रम", "पारखी", "मेरा परिवार", "अच्छी फीलिंग", "खास दोस्त", "बेटे की खुशी" और "सबक" जैसी फिल्मों में उन्होंने अलग-अलग भूमिकाएं निभाईं। इन फिल्मों ने उन्हें केवल अभिनय ही नहीं सिखाया, बल्कि समाज को और करीब से समझने का अवसर भी दिया। उन्होंने एफटीएएफटी डिजिटल प्रोडक्शन के साथ कई रचनात्मक प्रोजेक्ट्स में काम किया और कैमरा विज़न प्रोडक्शन के पॉडकास्ट में अपने जीवन व अभिनय सफर को खुलकर साझा किया। उनके अभिनय जीवन में कई ऐसे अवसर आए, जिन्होंने उनके आत्मविश्वास को और मजबूत किया। उन्हें बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार और रजनीकांत की फिल्म रोबोट 2.0 और प्रसिद्ध लोक गायिका मालिनी अवस्थी के साथ काम करने का अवसर मिला। हाइफा ग्रुप से जुड़ना डिंपल चौधरी के जीवन का एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ, जहां उन्हें बड़े कलाकारों से सीखने और अपने हुनर को निखारने का अवसर मिला। हाइफा के मंच पर अपनी शानदार डांस प्रस्तुतियों के जरिए उन्होंने इंडस्ट्री में अपनी अलग पहचान बनाई। आज डिंपल चौधरी कई बड़े प्रोजेक्ट्स पर काम कर रही हैं। उन्होंने हरियाणा की मशहूर कलाकार सपना चौधरी के साथ आने वाली हरियाणवी फिल्म "फौजन" में काम किया है, जो जल्द ही रिलीज़ होने वाली है। इसके अलावा सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर और हरियाणवी कलाकार राखी लोहचब के साथ भी उनका एक नया प्रोजेक्ट आने वाला है। साथ ही बॉलीवुड अभिनेता राजेंद्र गुप्ता के साथ भी उन्होंने एक फिल्म में काम किया है, जो जल्द दर्शकों के सामने होगी। हरियाणवी सिनेमा में अपने अनुभव और सिनेमा में आए बदलावों के संदर्भ में डिंपल का मानना है कि आजकल हरियाणवी सिनेमा में पहले की तुलना में अधिक फ़िल्में, वेब सीरीज़, पारंपरिक गीतों के साथ-साथ नई धुनों और आधुनिक संगीत का भी निर्माण किया जा रहा है। इससे नई प्रतिभाओं को अपनी कला दिखाने का अवसर मिल रहा है और हरियाणवी मनोरंजन जगत की गुणवत्ता में भी निरंतर सुधार हो रहा है।

हरियाणवी बोली, संस्कृति और सकारात्मक हरियाणवी सोच को अब बॉलीवुड में भी विशेष पहचान और सराहना मिलने लगी है। यही कारण है कि आने वाले समय में हरियाणवी सिनेमा नई ऊंचाइयों को छूने की प्रबल संभावनाएं रखता है। आज डिंपल चौधरी सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों से जुड़ी रहती हैं, जहां उनके डांस और एक्टिंग वीडियोज़ कई महिलाओं के लिए प्रेरणा बन चुके हैं। वह मानती हैं कि शादी, परिवार और नौकरी के बाद भी सपनों को जिया जा सकता है, अगर दिल में सच्चा जुनून हो। जब लोग उनसे समय निकालने का राज पूछते हैं, तो वह मुस्कुराकर कहती हैं - "जिस चीज़ से सच्ची खुशी मिले, उसके लिए समय अपने आप बन जाता है।" आज भी वह लगातार सीख रही हैं, आगे बढ़ रही हैं और अपने सपनों को जी रही हैं। उनकी कहानी यह साबित करती है कि हौसले मजबूत हों, तो सपनों की कोई उम्र नहीं होती।

अंचल और मेदांता अस्पताल ने नि:शुल्क मेगा मेडिकल कैंप लगाया

एलोपैथिक, आयुर्वेदिक और होम्योपैथिक तीनों पद्धतियों से 650 मरीजों का जांचा स्वास्थ्य

अंत्योदय की सोच को सच कर रहे हैं निःशुल्क जांच शिविर जैसे मानवसेवा के कदम : सुनील इंजीनियर

- ग्रामीण स्तर पर लोगों को अच्छी स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना था शिविर का उद्देश्य : डा. विनोद अंचल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

भिवानी। आयोजित मेडिकल कैम्प में मरीजों की जांच करते चिकित्सक। फोटो : हरिभूमि

प्रदेश सरकार और भिवानी-महेंद्रगढ़ लोकसभा क्षेत्र से सांसद चौधरी धर्मवीर सिंह की स्वस्थ भारत-स्वस्थ हरियाणा मुहिम को धरातल पर उतारने के उद्देश्य से रविवार को एक अनूठी पहल देखने को मिली। ग्रामीण इलाकों के अंतिम व्यक्ति तक बेहतरीन स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने और पूर्व सैनिकों के सम्मान में बौंद कलां स्थित पवित्र बाबा चांदू दास धाम में एक निःशुल्क मेगा मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया। यह शिविर भिवानी के अंचल मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल और मेदांता अस्पताल गुरुग्राम द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया। इस शिविर की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि यहां मरीजों का इलाज किसी एक पद्धति से नहीं, बल्कि एलोपैथिक, आयुर्वेदिक और होम्योपैथिक तीनों पद्धतियों के समन्वय से किया गया। शिविर में उमड़ी भारी भीड़ के बीच लगभग 650 मरीजों के स्वास्थ्य की जांच कर उन्हें मुफ्त परामर्श और दवाइयां वितरित की गईं। शिविर में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे भाजपा दादरी जिला अध्यक्ष सुनील इंजीनियर ने शिरकत की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और प्रदेश सरकार का एकमात्र लक्ष्य अंत्योदय है, यानी समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचे। सांसद चौ. धर्मवीर सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित यह मैडिकल कैंप इसी सोच को सच कर रहा है। वही विशिष्ट अतिथि के तौर पर पहुंचे धर्मसेना के संरक्षक रामकिशन हलवासिया ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी लोग बड़े अस्पतालों तक पहुंचने में हिचकिचाते हैं या आर्थिक तंगी के कारण इलाज टाल देते हैं। इस मौके पर अंचल अस्पताल के निदेशक डा. विनोद अंचल ने कहा कि देश के पूर्व सैनिकों ने देश की सीमाओं की रक्षा के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। उनके सम्मान में ऐसे शिविर लगाना उनकी देशसेवा का सम्मान करना है। उन्होंने बताया कि शिविर में ब्लड प्रेशर, शुगर, हीमोग्लोबिन, ईसीजी, पीएफटी, एक्स-रे, बीएमडी और लिपिड प्रोफाइल जैसी महंगी जांचें पूरी तरह से मुफ्त की गईं। इसके साथ ही मरीजों को मुफ्त दवाइयां भी दी गईं।

इन्होंने जताया आभार

जांच शिविर के दौरान टीम में डा. विनोद अंचल और सीनियर सर्जन डा. कृष्ण कुमार के साथ-साथ पंचकर्मा स्पेशलिस्ट एमडी डा. सुमित सैनी, एमडी मैडिसन डा. लक्ष्य यादव, एमएस गायनोलोजिस्ट डा. अक्षरा मिश्रा, एमएस आथोपैडिक सर्जन डा. जितेन्द्र सैनी, एमबीबीएस एमडी बाल रोग विशेषज्ञ डा. सौम्या श्रीवास्तव, पंचकर्म विशेषज्ञ डा. संजीव मदान, जनरल फिजिशियन व ह्रदूय रोग विशेषज्ञ डा. रजत, जननरल फिजिशियन व हृदय रोष्ज्ञ विशेष डा. प्रियांशु, स्त्री रोग विशेषज्ञ डा. अंतिमा, जनरल फिजिशियन डा. संजीव कुमार, दंत रोग विशेषज्ञ डा. शशि और सीनियर स्त्री रोग विशेष डा. अनिता अंचल शामिल होकर अपनी सेवाएं दी। इस कैंप को सफल बनाने के लिए डा. विनोद अंचल ने अजीत सरपंच, महेंद्र सोनी पूर्व जिला परिषद, अतर सिंह सरपंच, प्रेम सरपंच रणकोली, पंकज चेयरमैन पंचायत समिति, वाइस चेयरमैन दीप, राधे शर्मा पूर्व सरपंच, ओमवीर पूर्व सरपंच, मनोज डीपी, रणजीत, डॉक्टर सुंदर सोनी व अन्य का आभार जताया।

बहल। जीटी हॉप फाउडेशन द्वारा आयोजित स्वास्थ्य शिविर का शुभारंभ करते हुए पूर्व सरपंच गजानंद अग्रवाल, डॉ. एसके सिन्हा व अन्य। फोटो : हरिभूमि

शिविर में ईसीजी, बीपी शुगर और रक्त जांचा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहल

प्रसिद्ध व्यवसायी, समाजसेवी, गोसेवक स्व. ताराचंद अग्रवाल की 11वीं पुण्यतिथि पर जीटी होप फाउंडेशन द्वारा आधार अस्पताल हिसार एवं मानव कल्याण अस्पताल बहल के सहयोग से मानव कल्याण अस्पताल में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में क्षेत्र के अनेक लोगों ने पहुंचकर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। विशेषज्ञ चिकित्सकों ने मरीजों की जांच कर उन्हें परामर्श दिया तथा निःशुल्क दवाइयां वितरित की गईं।

रविवार को आयोजित शिविर में ईसीजी, बीपी, शुगर व रक्त जांच सहित विभिन्न स्वास्थ्य परीक्षण किए गए। वहीं, विशेष नेत्र जांच शिविर में आंखों की जांच कर मोतियाबिंद से पीड़ित मरीजों का चयन किया गया। शिविर में हड्डी एवं जोड़ रोग, बाल रोग, सामान्य सर्जरी और नेत्र रोग विशेषज्ञों ने अपनी सेवाएं दीं।

इस अवसर पर कार्यक्रम आयोजक एवं पूर्व सरपंच गजानंद अग्रवाल ने कहा कि स्व. ताराचंद अग्रवाल ने हमेशा समाजसेवा और मानव कल्याण को सर्वोपरि रखा। उनकी पुण्यतिथि पर लगाया गया यह शिविर जरूरतमंद लोगों के लिए समर्पित रहा, जिसमें ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को विशेषज्ञ चिकित्सकों की सेवाएं निशुल्क उपलब्ध करवाई गईं। उन्होंने कहा कि समाज के सक्षम लोगों को भी सेवा कार्यों में आगे आकर जरूरतमंदों की सहायता करनी चाहिए।

शिविर में डॉ. डी. पी. बूरा, डॉ. दीपक, डॉ. सुनील कुमार, डॉ. निखिल सोनी, डॉ. अंकित और डॉ. राजेश पुनिया सहित अन्य चिकित्सकों ने सेवाएं दीं।

ग्रामीण क्षेत्र में पेयजल का जल्द से जल्द समाधान करना चाहिए: खरकिया

भिवानी। धानक जनकल्याण मंच के प्रदेश अध्यक्ष संदीप खरकिया ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में पेयजल पानी का जल्द से जल्द समाधान करना चाहिए ताकि ग्रामीणों को गर्मी में पानी को लेकर किसी भी दिक्कत का सामना नहीं करना चाहिए आज गांव खरक कला में युवा युवा सर्व समाज के बैठक का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता युवा नेता दीपक परमार ने की इस मौके पर मंच के अध्यक्ष संदीप खरकिया ने कहा कि भयंकर गर्मी कासमय देखते हुए आज पानी की बहुत जरूरत है इंसान की तरह एवं पशु पक्षी जानवरों के लिए भी पानी बहुत जरूरी है इसलिए सर्व समाज की युवाओं ने एक पहल करते हुए गांव के मुख्य जगह पर जानवर, पशु पक्षियों के लिए पीने का पानी के लिए जगह-जगह मिट्टी के छोटे-छोटे बर्तन रखवाए गए हैं।

लोगों का टहलना और बच्चों का खेलना मुश्किल

बवानीखेड़ा। हुडा कॉलोनी में पार्कों में खड़ी कांग्रेस घास। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बवानीखेड़ा

बवानीखेड़ा की हुडा कॉलोनी के सभी पार्क इन दिनों कांग्रेस घास की चपेट में हैं। पार्कों में 4 से 5 फुट ऊंची कांग्रेस घास उग आई है, जिससे लोगों का सुबह-शाम टहलना और बच्चों का खेलना मुश्किल हो गया है।

कॉलोनीवासियों का आरोप है कि संबंधित प्रशासन की अनदेखी के चलते पार्क बदहाली का शिकार हो गए हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि हुडा कॉलोनी में बने आधा दर्जन से अधिक पार्क हैं और अधिकतर सभी के हालात बद से बदतर हैं। मुख्यतया सभी पार्कों में पूरी तरह कांग्रेस घास और झाड़ियों से अटे पड़े हैं। घास इतनी बढ़ गई है कि सांप-बिच्छू व अन्य जहरीले कीड़ों का खतरा बना रहता है। कई बार बच्चों को खेलते समय एलर्जी और सांस की दिक्कत हो चुकी है। बुजुर्गों ने कहा कि वे सुबह पार्क में सैर करने आते थे, लेकिन अब घास और गंदगी के कारण आना छोड़ दिया है। कॉलोनी में राजेश कुमार, मुनीष, मनोज, सत्यवान, ललित, मनोज, मुकेश, कृष्ण आदि का कहना है कि कांग्रेस घास से निकलने वाले पराग कणों से आंखों में जलन, खांसी और त्वचा रोग की समस्या बढ़ रही है। घरों के आसपास घास होने से मच्छरों का प्रकोप भी बढ़ गया है। लोगों ने बताया कि वे कई बार संबंधित विभाग को शिकायत कर चुके हैं, लेकिन आज तक कोई कार्रवाई नहीं हुई।

सफाई अभियान चलाया जाएगा

इस बारे नपा प्रधान सुंदर अत्री ने बताया कि जल्द ही हुडा कालोनी का नक्शा बदलेगा और नई विकास की तस्वीर बनेगी जिससे सभी को लाभ होगा। जल्द ही उक्त इलाके में सफाई अभियान चलाया जाएगा और कांग्रेस घास को पूरी तरह से साफ करवाया जाएगा।

पानी पिलाना सबसे बड़ा धर्म : पवन शर्मा

भिवानी। गर्मी के मौसम में पानी पिलाना सबसे बड़ा धर्म है यह बात राधा स्वामी सत्संग भवन शाखा दिनोद के मुख्य सेवादार पवन शर्मा ने राधा स्वामी आश्रम भिवानी के आगे मीठे पानी की छबील मैं सेवा करवाते हुए कही । पवन शर्मा ने कहा कि गर्मी के मौसम में ज्यादा से ज्यादा पानी पीना और पिलाना चाहिए पानी की कमी से ही सभी बीमारियां पैदा होती है । इसलिए इस गर्मी के मौसम में हम जितना पानी पियेंगे हमारा स्वास्थ्य ठीक रहेगा इस अवसर पर सेवादार संदीप पंघाल ने कहा कि गर्मी के इस मौसम परम संत हुजूर कंवर साहब के आशीर्वाद से राधा स्वामी आश्रम के सेवादारों ने 12 ड्रम यानी 2400 लीटर नींबू का पानी पिलाया है । यह जल सेवा हर रविवार को महाराज के आदेश तक जारी रहेगी।

विकास नीतियों व जनता के बीच एक सेतु के रूप में काम करें कार्यकर्ता : चावला

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

भाजपा के के संगठनात्मक ढांचे को और अधिक मजबूत तथा सक्रिय बनाने के उद्देश्य से बवानीखेड़ा मंडल के सभी 14 शक्ति केंद्रों पर विशेष बैठकों का आयोजन किया गया। इन बैठकों की अध्यक्षता बवानीखेड़ा मंडल के प्रभारी एवं भाजपा जिला प्रवक्ता विनोद चावला ने की, जबकि इस दौरान मंडल अध्यक्ष प्रदीप राणा विशेष रूप से मौजूद रहे। पार्टी कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा फूंकने के लिए मंडल प्रभारी विनोद चावला और मंडल अध्यक्ष प्रदीप राणा ने क्षेत्र के विभिन्न गांवों का सघन दौरा किया। इस दौरान उन्होंने गांव रतेरा, जमालपुर, पापोसा, बवानीखेड़ा, पुर, जाटु लोहारी, बलियाली, रामपुरा और सुई सहित सभी शक्ति केंद्रों पर जाकर कार्यकर्ताओं के साथ सीधे संवाद स्थापित किया।

भिवानी। आयोजित बैठक को संबोधित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

बैठकों को संबोधित करते हुए मंडल प्रभारी व जिला प्रवक्ता विनोद चावला ने कार्यकर्ताओं से सीधे जुडऩे और सांगठनिक गतिविधियों को गति देने का आह्वान किया। चावला ने कहा कि कार्यकर्ता ही भारतीय जनता पार्टी की असली ताकत हैं।

संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत करने के लिए सभी कार्यकर्ताओं को हर महीने अनिवार्य रूप से बैठकें आयोजित करनी चाहिए।

ये रहे मौजूद

सुंदर अत्री, विजेंद्र रतेरा, राजेश सरपंच, राजकुमार धानक, महावीर सिंह, ऋषि सोनी, सुभाष सरपंच, रघुवीर गुर्जर, रामगोपाल सैनी, जगदंबा मेहता, रोहतास तंवर, ज्ञान गुलाटी, करण शर्मा, अशोक सरदाना, बलवान सूई, रवि सरपंच सूई सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

भाजपाइयों ने क्रांतिकारी शहीद करतार सिंह को किया नमन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

स्वतंत्रता संग्राम के युवा क्रांतिकारी शहीद करतार सिंह सराभा की जयंती पर भाजपाइयों ने उन्हें नमन कर श्रद्धांजलि अर्पित की। भाजपाइयों ने उस योद्धा को याद किया, जिन्होंने गदर आंदोलन में प्रमुख भूमिका निभाते हुए महज 19 वर्ष की अल्पायु में देश की आजादी के लिए अपना बलिदान दिया था।

श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए भाजपा के पूर्व प्रदेश सहमीडिया प्रमुख रीतिक वधवा ने कहा कि मां भारती की आजादी के लिए अल्पायु में ही अपने प्राणों का बलिदान देने वाले महान क्रांतिकारी शहीद करतार सिंह सराभा की जयंती पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि एवं कोटिशः नमन हैं, उन्हें पूरा देश हमेशा याद रखेगा। क्रांतिकारी सराभा का साहस, राष्ट्रभक्ति और मातृभूमि के प्रति समर्पण भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में सदैव स्वर्ण अक्षरों में हमेशा अंकित रहेगा। इस अवसर पर भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष अशोक तिगड़ी, भूपेंद्र तिगड़ी व अजीत तिगड़ी आदि उपस्थित रहे।

शक्ति केंद्र भाजपा संगठन की असली ताकत और सबसे मजबूत कड़ी : वीरेंद्र कौशिक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांगठनिक ढांचे को जमीनी स्तर पर और अधिक सशक्त बनाने के अभियान के तहत रविवार को बड़सी मंडल के सिवाड़ा गांव में शक्ति केंद्र प्रमुखों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में संगठन की मजबूती, आगामी लोक-कल्याणकारी कार्यक्रमों की रूपरेखा और बूथ स्तर पर पार्टी की गतिविधियों को धार देने पर विस्तार से चर्चा हुई।

बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा जिला अध्यक्ष वीरेंद्र कौशिक ने कार्यकर्ताओं में नया जोश फूंका। उन्होंने संगठनात्मक ढांचे में जमीनी स्तर के प्रभारियों के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि भाजपा संगठन की असली ताकत बूथ स्तर का कार्यकर्ता है।

भिवानी। शक्ति प्रमुखों की बैठक में उपस्थित। फोटो : हरिभूमि

शक्ति केंद्र प्रमुख असल में संगठन और जमीनी कार्यकर्ताओं के बीच की सबसे मजबूत कड़ी हैं। पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुँचाने, संगठन की मजबूती और इसके निरंतर विस्तार में उनकी भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। वीरेंद्र कौशिक ने आगे कहा कि भाजपा आज दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी अपने कैडर और कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम की बदौलत ही बनी है। आगामी समय में होने वाले कार्यक्रमों की सफलता पूरी तरह से इस बात पर निर्भर करती है कि हमारा बूथ स्तर का प्रबंधन कितना सजग और सक्रिय है।

बैठक की अध्यक्षता बड़सी मंडल के अध्यक्ष प्रदीप मुंढाल ने की। मंडल अध्यक्ष ने उपस्थित पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि पार्टी के आगामी अभियानों को प्रभावी ढंग से जमीन पर उतारने के लिए खाका तैयार कर लिया गया है। बैठक के दौरान सभी शक्ति केंद्र प्रमुखों के साथ संगठनात्मक विषयों पर सीधा संवाद किया गया और पिछले कार्यों की समीक्षा की गई। आगामी सांगठनिक कार्यक्रमों और पार्टी की गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए सभी प्रमुखों की जवाबदेही तय की गई तथा उन्हें विशेष जिम्मेदारियां सौंपी गईं। बूथ जीतो, चुनाव जीतो का मंत्रः कार्यकर्ताओं को अपने-अपने बूथ क्षेत्र में सक्रियता बढ़ाने, स्थानीय स्तर पर जनता की समस्याओं को सुनने और सरकार की नीतियों को घर-घर तक पहुँचाने का टास्क दिया गया।

ये रहे मौजूद

मंडल प्रभारी सूर्यप्रताप, शक्ति केंद्र प्रमुख तेज सिंह सिवाड़ा, मुकेश, रोशन लाल सिवाड़ा, मनीष , प्रवीण, विक्रम, रविन्द्र सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भाजपा की मजबूती का आधार हैं शक्ति केंद्र : हनुमान

- बहल खंड के सुरपुरा कलां व सुरपुरा खुर्द गांव के शक्ति केंद्र पर भाजपा कार्यकर्ताओं की संगठनात्मक बैठक हुई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहल

बहल खंड के सुरपुरा कलां व सुरपुरा खुर्द गांव के शक्ति केंद्र पर भाजपा कार्यकर्ताओं की संगठनात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में भाजपा नेता हनुमान शर्मा पाजू ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की। बैठक में पार्टी संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने और आगामी कार्यक्रमों को लेकर रणनीति तैयार की गई।

रविवार को आयोजित बैठक में हनुमान शर्मा पाजू ने कहा कि भाजपा का संगठन देश का सबसे मजबूत संगठन है। जिसकी नींव बूथ और शक्ति केंद्र स्तर के समर्पित कार्यकर्ताओं पर टिकी हुई है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता पार्टी की रीढ़ है और जनता के बीच जाकर सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों को पहुंचाना उनकी जिम्मेदारी है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आपसी समन्वय और अनुशासन के साथ कार्य करने का आह्वान करते हुए कहा कि आने वाले समय में भाजपा संगठन को गांव-गांव तक और अधिक मजबूत किया जाएगा। बैठक में जनसंपर्क अभियान, बूथ प्रबंधन और संगठन विस्तार को लेकर भी विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में शक्ति केंद्र प्रमुख पवन शर्मा सुरपुरा ने कार्यकर्ताओं से पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने और संगठन को मजबूत बनाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर रोहताश, रामकिशन नाड़ा, जगदीश शर्मा, पवन शर्मा सहित शक्ति केंद्र के पदाधिकारी, बूथ अध्यक्ष एवं अनेक भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बहल। सुरपुरा गांव में भाजपा की संगठनात्मक बैठक में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए भाजपा नेता हनुमान शर्मा पाजू। फोटो : हरिभूमि

जनभागीदारी से मूलचंद झील बनी सौहार्द एवं पर्यावरण संरक्षण का प्रतीक

जनभागीदारी से खिल उठी भिवानी की मूलचंद झील

- होटल-रेस्तरां की फिजूलखर्ची छोड़, झील किनारे पौधरोपण कर खुशियां मनाने का आह्वान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

आधुनिक दौर में लोग अपनी व्यस्त जीवनशैली में अपनों के लिए समय नहीं निकाल पाते, वहीं समाज में कुछ उदाहरण भी बने, जो मानवता और प्रकृति के प्रति हमारे विश्वास को और मजबूत कर देते हैं, ऐसा ही प्रेरक उदाहरण खाकी बाबा मंदिर स्थित मूलचंद झील क्षेत्रवासियों का हैं, जो सिर्फ जलाशय नहीं, बल्कि आपसी सौहार्द, समर्पण एवं अटूट प्रेम का जीवंत प्रतीक बन चुकी है। झील परिसर में नियमित आने वाले सुरेश डिब्बेवाला व सहयोगियों ने बताया कि जब सरकार द्वारा झील का निर्माण करवाया गया था तब कुछ समय बाद इसके रख रखाव में कमी आने लगी थी। सरकारी तंत्र अकेले हर कोने की देखभाल करने में पूरी तरह समर्थ नहीं था, ऐसे में सुबह की सैर के लिए आने वाले जागरूक नागरिकों ने जिम्मेदारी अपने हाथों में ली।

झील पर लोग सिर्फ घूमने के मकसद से नहीं आते, बल्कि वे तन, मन और धन से झील की सेवा में जुट जाते हैं। चाहे पुरुष हो या महिलाएं, सभी मिलकर परिवार की तरह धरोहर को सहेज रहे हैं। इस सामूहिक प्रयास का सबसे खूबसूरत परिणाम परिसर की हरियाली के रूप में देखने को मिलता है। पर्यावरण को सुरक्षित करने के उद्देश्य से झील के चारों तरफ 2500 से अधिक पेड़-पौधे लगाए जा चुके हैं, जो इसकी शोभा बढ़ा रहे हैं। झील परिसर की सबसे अनोखी बात यह है कि लोगों ने खुशी और उत्सव मनाने की परिभाषा को बदल दिया है, जब भी आसपास के किसी परिवार में जन्मदिन, शादी की सालगिरह, बच्चे का जन्म या कोई अन्य मांगलिक कार्य होता है, तो लोग होटल या रेस्तरां में फिजूलखर्ची की बजाय सीधे झील पर पहुंचते हैं तथा पौधरोपण व त्रिवेणी लगाते हैं। इसके बाद सभी लोग मिलकर आपस में जलपान एवं प्रसाद का वितरण करते हैं। हाल ही में प्रतीक पुत्र ओमप्रकाश ने त्रिवेणी लगाकर अपना जन्मदिन मनाया। इस सराहनीय कार्य के लिए झील प्रबंधन और वहां मौजूद सदस्यों ने उन्हें फूल देकर सम्मानित किया।

भिवानी। जन्मदिन पर मूलचंद झील क्षेत्र में त्रिवेणी रोपित करने वाले युवा प्रतीक को सम्मानित करते क्षेत्रवासी।

आदर्श महिला महाविद्यालय, भिवानी

कैंटिन ठेकेदार की आवश्यकता

आदर्श महिला महाविद्यालय में कैंटीन के लिए कैंटिन संचालक की आवश्यकता है।

आवेदनः आदर्श शिक्षा समिति कार्यालय, आदर्श महिला महाविद्यालय कैंपस, हांसी गेट, भिवानी में बंद लिफाफे में विज्ञापन प्रकाशित होने के 07 दिन (कार्यदिवस) के अंदर जमा करवाएं। महिलाओं को प्राथमिकता दी जाएगी।

संपर्क हेतु :- 92531 26192

न्यूनतम किराया वार्षिक : 2,25,000/- (GST अतिरिक्त)

सचिव
आदर्श शिक्षा समिति
कार्यालय आदर्श महिला महाविद्यालय, भिवानी

जल्द होगी राजीव कॉलोनी अप्रूव्ड, सारी कागजी कार्रवाई पूरी

विधायक ने जन समस्याएं सुनकर दिया शीघ्र समाधान करने का भरोसा

नप चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह रहे मौजूद

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

रविवार को राजीव कॉलोनी में विधायक घनश्याम सर्राफ व नप चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह ने लोगों की समस्याएं सुनीं। वार्ड संख्या 3 के पार्षद प्रतिनिधि अभिषेक दुग्गल व कॉलोनी के लोगों ने सबसे ज्यादा पीने के पानी व सीवर की समस्या की शिकायत की। जिस पर विधायक घनश्याम सर्राफ ने पब्लिक हेल्थ विभाग के अधिकारियों को तत्काल सीवर व पानी की समस्या का समाधान किए जाने के निर्देश दिए। इनके अलावा कॉलोनी के लोगों ने राजीव कॉलोनी में अनेक गलियां कच्ची होने की शिकायत की। जिस पर विधायक व नप चेयरपर्सन प्रतिनिधि ने जल्द ही गलियों को पक्का करवाए जाने का भरोसा दिलाया। इससे पहले वहां पर पहुंचते ही क्षेत्र के लोगों ने विधायक घनश्याम सर्राफ व नप चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह को फूलों की माला पहनाकर सम्मानित किया।

भिवानी। राजीव कॉलोनी में लोगों की समस्याएं सुनते हुए। फोटो: हरिभूमि

विकास कार्यों में आएगी तेजी: भवानी

नप चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह ने बताया कि राजीव कॉलोनी में लोगों ने पीने के पानी, सीवर व्यवस्था व बिजली खंबों से संबंधित शिकायतें रखी थीं। लोगों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर निपटाया जाएगा। उन्होंने बताया कि जल्द कॉलोन अप्रूव्ड हो जाएगी। उसके बाद उक्त क्षेत्र में कोई भी मूलभूत सुविधाओं के लिए लोगों तरसना नहीं पड़ेगा।

विकास कार्यों के लिए सरकारी खजाना लबालब

विधायक घनश्याम सर्राफ ने बताया कि विकास कार्यों के लिए सरकारी खजाने लबालब है। बशर्ते लोग सार्वजनिक कार्य लेकर आए। सार्वजनिक कार्य प्राथमिकता के आधार पर करवाए जाएंगे। सीएम नायब सिंह सैनी को भिवानी से विशेष लगाव है। वे भिवानी के विकास के लिए दिल खोलकर बजट दे रहे है।

एक भी गली कच्ची नहीं बचेगी

विधायक घनश्याम सर्राफ व नप चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह के समक्ष क्षेत्र के लोगों ने कॉलोनी को अप्रूव्ड कराए जाने की मांग की। ताकि कॉलोनी वैध होने के बाद उनको सरकार द्वारा दी जानी वाली मूलभूत सुविधाएं मिल सके। इस पर नप चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह ने बताया कि उक्त क्षेत्र को अप्रूवड कराए जाने की प्रक्रिया जारी है। अप्रूव्ड कराने की सारी प्रक्रिया पूरी की जा चुकी है। इनके अलावा शहर की अन्य कॉलोनियों को अप्रूवड कराए जाने की सारी कागजी कार्रवाई पूरी की जा चुकी है। जल्द ही इन कॉलोनियों को वैध करवा दिया जाएगा। नप चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह ने बताया कि वैध होने के बाद राजीव कॉलोनी की एक भी गली कच्ची नहीं बचेगी। हर गली व क्षेत्र में बिजली व पानी की पूरी व्यवस्था की जाएगी।

गोसेवा से बढ़कर कोई पुण्य नहीं, विकास कार्यों में नहीं आने देंगे कमी : सर्राफ

- नंदीशाला में चारा एकत्रित और सुरक्षित रखने के लिए अलग से करवाया जाएगा शेड का निर्माण : भवानी प्रताप
- नंदीशाला सेवा दल के चौथे स्थापना दिवस कार्यक्रम का आयोजन, नंदीशाला को भेंट किया ट्रैक्टर
- नंदीशाला में गोवंश की सेवा के लिए विधायक घनश्याम सर्राफ ने दिया 17 .98 लाख रूपये का चैक

भिवानी। नंदीशाला में ट्रैक्टर देते हुए। फोटो: हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

गौवंश की निःस्वार्थ सेवा और समाज कल्याण के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहे नंदीशाला सेवा दल ने रविवार को अपना चौथा स्थापना दिवस बेहद उत्साह और सेवाभाव के साथ मनाया। स्थानीय हालुवास रोड़ स्थित मुक्ति धाम में आयोजित कार्यक्रम में राजनीतिक, सामाजिक और धार्मिक जगत की प्रमुख हस्तियों ने शिरकत की। इस अवसर पर भिवानी के विधायक घनश्याम सर्राफ मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे, जबकि श्रीअग्रसेन ट्रस्ट के अध्यक्ष रामदेव तायल ने विशिष्ट अतिथि के रूप में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। वही कार्यक्रम की अध्यक्षता भिवानी नगर परिषद के चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप ने की। इस मौके पर विधायक घनश्याम सर्राफ ने नंदीशाला सेवा दल के प्रयासों की भूरि-भूरि प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि गौवंश की सेवा ही सच्ची मानव सेवा है। सेवा दल ने पिछले चार वर्षों में जो समर्पण दिखाया है, वह पूरे समाज के लिए प्रेरणादायी है। नंदीशाला के रख-रखाव और व्यवस्थाओं को और सुदृढ़ करने के लिए विधायक ने 17 लाख 98 हजार रूपये की राशि का चैक नंदीशाला सेवा दल को सौंपा और आश्वासन दिया कि भविष्य में भी अनुदान की कोई कमी नहीं होने दी जाएगी। नगर परिषद चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप ने कहा कि नंदीशाला में नए शैड का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है ताकि बेसहारा गौवंश को बेहतर आश्रय मिल सके। इसके साथ ही भविष्य की जरूरतों को देखते हुए चारा एकत्रित और सुरक्षित रखने के लिए एक अलग से विशाल शैड का निर्माण भी जल्द ही शुरू करवाया जाएगा। इस अवसर पर जेसीआई स्टार, जेसीआई डायमंड व जेसीआई भिवानी के सदस्य के अलावा मोहन अग्रवाल, राजीव मित्तल, सुरेंद्र चांगिया, राजेश बासिया, रोहित डुडेजा, अतुल गुप्ता, संदीप सैनी, सचिन सिंगला, दीपक गोयल, जानू, रमेश बंसल सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

गोसेवकों को किया सम्मानित

नंदीशाला सेवा दल के प्रधान दिवाकर जैन ने कार्यक्रम में पहुंचे सभी अतिथियों, समाजसेवियों और शहरवासियों का सहृदय आभार व्यक्त किया तथा कहा कि 22 मई 2022 से निरंतर नंदीशाला में नंदीशाला सेवा दल अपनी सेवाएं दे रहा है। उन्होंने बताया कि सेवा दल की तरफ से नंदीशाला के कार्यों को सुचारू रूप से चलाने के लिए एक नया ट्रैक्टर भेंट किया गया। इसके साथ ही नंदीशाला परिसर में स्थित एक कमरे को आधुनिक सभागार का रूप दिया गया। इस सभागार का मुख्य उद्देश्य नंदीशाला में भजन-कीर्तन और धार्मिक आयोजनों के लिए आने वाली मातृशक्ति (महिलाओं) को बैठने और अपनी गतिविधियां संचालित करने में कोई असुविधा न हो। कार्यक्रम के दौरान गौसेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट और सराहनीय कार्य करने वाले समर्पित गोसेवकों को स्मृति चिहन देकर सम्मानित भी किया गया।

हर आत्मा मानो शांति की प्यासी एवं शांति की खोजः बीके रजनी

भिवानी। अशांति भरे माहौल में हर कोई अपनी जिंदगी की भाग दौड़ और व्यस्तता के चलते मन की अशांति को महसूस कर रहा है। हर आत्मा मानो शांति की प्यासी है, शांति की खोज में है, ऐसे में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय दिव्य भवन रूद्रा कॉलोनी की तरफ से प्रभात वेला में पीस माय नेचर (शांति मेरा स्वभाव) प्रोजेक्ट के अंतर्गत एक रूहानी अलौकिक और दिव्य पीस वॉक का आयोजन किया, जिसमें शाखा संचालिका बीके रजनी ने बताया कि शांति तो हर आत्मा का स्वधर्म है, जिस शांति को हम बाहर ढूंढते हैं वह शांति तो हमारे भीतर ही है। हमें उसे बाहर नहीं भीतर खोजना चाहिए।

28 को धुणी तपस्या होगी संपन्न

- तपस्या के समापन पर भंडारे में जुटेंगे हजारों साधु-संत व श्रद्धालु

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

पतराम गेट स्थित कृपाराम की गली में इन दिनों भक्ति एवं अध्यात्म का अनूठा माहौल बना हुआ है, यहां स्थित डेरा बाबा हरिगिरी मठ में चल रही 41 दिवसीय कठिन धुणी तपस्या का समापन आगामी 28 मई को होने जा रहा है। मठ परिसर में विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा, जिसमें देश के कोने-कोने से हजारों श्रद्धालुओं और साधु-संतों के जुटने की उम्मीद है। मठ के महंत बंसीगिरी महाराज ने लोक कल्याण एवं विश्व शांति की कामना के साथ कठिन धुणी तपस्या की जा रही है।

भिवानी। धुणों के बीच तपस्या करते महंत बंसीगिरी महाराज। फोटो: हरिभूमि

इस वर्ष 41 दिवसीय साधना गत 18 अप्रैल को शुरू हुई थी, जो निरंतर अपनी पूर्णता की ओर अग्रसर है। महंत बंसीगिरी पिछले कई वर्षों से लगातार कठिन तपस्या करते आ रहे हैं। वे भीषण गर्मी के बीच प्रतिदिन सुबह सवा 11 बजे से दोपहर सवा दो बजे तक धुणों के बीच बैठकर ईश्वर आराधना में लीन रहते हैं। मठ के भक्त सुरेंद्र सिंह ने बताया कि 28 मई को कठिन तपस्या का विधि-विधान से संपन्न होगी। उन्होंने बताया कि 41 दिवसीय साधना के दौरान मठ में प्रतिदिन केवल तपस्या ही नहीं, बल्कि प्रभु भक्ति का रस भी बरस रहा है।

विद्यार्थियों को व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया

- बीके शिक्षण महाविद्यालय में कला एवं शिल्प कार्यशाला सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज ⏭बवानीखेड़ा

बवानीखेड़ा स्थित बीके शिक्षण महाविद्यालय में 18 मई से 23 मई 2026 तक छह दिवसीय कला एवं शिल्प कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। कार्यशाला का आयोजन विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रतिभा को निखारने तथा उनमें कला एवं शिल्प के प्रति रुचि विकसित करने के उद्देश्य से किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रसिद्ध कलाकार हरिओम के कुशल निर्देशन एवं मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यशाला के दौरान विद्यार्थियों को पेंटिंग, पोस्टर मेकिंग, बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट, सजावटी वस्तुओं का निर्माण, हस्तशिल्प कला एवं विभिन्न रचनात्मक गतिविधियों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह और लगन के साथ भाग लेते हुए अपनी कलात्मक प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों द्वारा तैयार की गई आकर्षक एवं संदेश पूर्ण कलाकृतियों ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। हरिओम बावा ने विद्यार्थियों को कला के माध्यम से आत्मविश्वास, धैर्य एवं सृजनात्मक सोच विकसित करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि कला केवल मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि व्यक्तित्व विकास और आत्मनिर्भरता का प्रभावी माध्यम भी है। महाविद्यालय प्रबंधन एवं स्टाफ सदस्यों ने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षकगण एवं अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

बवानीखेड़ा। बीके शिक्षण महाविद्यालय में आयोजित कला एवं शिल्प कार्यशाला के सफल आयोजन में उपस्थितजन।

स्वदेशी जागरण मंच ने स्वरोजगार एवं आत्मनिर्भरता पर दिया जोर

भिवानी। स्वदेशी जागरण मंच का जिला स्तरीय प्रशिक्षण वर्ग का विचार सत्र रविवार को सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता एवं मार्गदर्शक के रूप में स्वदेशी जागरण मंच के प्रांत संघटक कुलदीप उपस्थित रहे। अखिल भारतीय महिला सहप्रमुख सुनीता ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए स्वरोजगार और आत्मनिर्भरता पर जोर दिया। प्रांत संघटक कुलदीप ने 'स्वदेशी विकास यात्रा' की रूपरेखा रखते हुए आगामी योजनाओं की जानकारी दी। जिला संयोजक धीरज सोनी ने सभी कार्यकर्ताओं से स्वदेशी अपनाने का आह्वान करते हुए कहा कि स्वदेशी से ही राष्ट्र को आर्थिक रूप से मजबूत बनाया जा सकता है। मंच संचालन विनय सिंघल का रहा। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से प्रदीप एवं रमेश सिंघल, सर्वश्री वेद प्रकाश लुहाच, अमित बंसल, सुभाष गोयल, अतुल गुप्ता, आकाश गुप्ता, पंकज गोयल, हनवंत तंवर आदि मौजूद रहे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन नं. : 8814999151, 9253681005

नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों ने किया योग

- निरोग एवं संतुलित जीवन जीने की कला सिखाता योग : अशोक

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

आगामी 21 जून को मनाए जाने वाले अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को लेकर योग और स्वास्थ्य के प्रति अलख जगनी शुरू हो गई है। इसी कड़ी में बाल सेवा आश्रम प्राथमिक विद्यालय में योग कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम जिला रोलर स्केटिंग एसोसिएशन भिवानी, आप की योगशाला, सर्वमंगल संस्था एवं गोरक्षा दल के संयुक्त तत्वावधान में हुआ। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों, युवाओं और आम जनता को योग के प्रति जागरूक करना तथा उन्हें एक अनुशासित व स्वस्थ जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित करना रहा। शारीरिक और मानसिक ऊर्जा से भरपूर कार्यक्रम में विद्यालय के बच्चों, शिक्षकों और शहर की प्रमुख सामाजिक हस्तियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ वैदिक परंपरा के अनुसार योग एवं प्राणायाम अभ्यास के साथ हुआ। विद्यालय के नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों ने अत्यंत उत्साह, ऊर्जा और अद्भुत अनुशासन का परिचय देते हुए विभिन्न योगासनों, प्राणायाम और ध्यान क्रियाओं का अभ्यास किया। बच्चों को योग का अभ्यास जिला रोलर स्केटिंग एसोसिएशन के मुख्य स्केटिंग प्रशिक्षक अशोक जीत सिंह, सर्वमंगल की अध्यक्षा कविता रानी एवं गौरक्षा दल के प्रधान संजय परमार ने बेहद सरल और वैज्ञानिक तरीके से करवाया। उन्होंने कहा कि योग हमारी प्राचीन भारतीय संस्कृति की वो अमूल्य धरोहर है।

भिवानी। बाल सेवा आश्रम में योगाभ्यास करते विद्यार्थी। फोटो: हरिभूमि

बंदरों के आतंक से लोग परेशान

- खौफ के साए में जीते हैं वार्ड 3, 5, 9 सहित कई इलाकों के लोग

हरिभूमि न्यूज ⏭बवानीखेड़ा

बवानीखेड़ा शहर में इन दिनों बंदरों का आतंक इस कदर बढ़ गया है कि लोगों का घर से बाहर निकलना मुश्किल हो गया है। मुख्य बाजार, रेलवे रोड, हांसी रोड, वार्ड 3, 5, 9 सहित कई इलाकों में बंदरों के झुंड दिनभर उत्पात मचाते रहते हैं।

लोग खौफ के साए में जीने को मजबूर हैं। स्थानीय निवासियों में बिमला, उषा, जोनी, रेखा, कुलवंत आदि ने बताया कि बंदरों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। ये झुंड बनाकर छतों पर कूदते हैं, कपड़े फाड़ देते हैं और घरों में घुसकर खाने-पीने का सामान उठा ले जाते हैं। कई बार महिलाओं और बच्चों पर हमला कर उन्हें घायल भी कर चुके हैं। सुबह स्कूल जाते बच्चों और दूध लेने जाने वाली महिलाओं को सबसे ज्यादा परेशानी होती है।

बवानीखेड़ा। बवानीखेड़ा में घरों व पेड़ों पर बैठे बंदर। फोटो: हरिभूमि

बढ़ रही संख्या

पिछले दिनों ढाणी यादव में स्थित राजकीय विद्यालय में एक विद्यार्थी पर बंदरों न अटैक कर दिया था तो वार्ड 09 में गुरुद्वारे के आगे बंदरों द्वारा भी बच्चों व बुजुर्गों पर हमला कर दिया था। बुजुर्ग रामफल ने बताया कि दो दिन पहले बंदरों ने उनकी छत पर रखी पानी की टंकी का ढक्कन तोड़ दिया और पाइप उखाड़ दिए। वहीं रेलवे रोड निवासी सुनीता ने कहा कि बच्चे छत पर खेलने से डरते हैं। बंदर अचानक हमला कर देते हैं। कई बार बाइक सवारों के पीछे दौड़ पड़ते हैं, जिससे दुर्घटना का खतरा बना रहता है। लोगों का आरोप है कि प्रशासन बंदरों को पकड़वाने की बात करता है लेकिन बंदर घटने की बजाए बढ़ते हुए दिखाई देते हैं। लोगों की मानें तो बंदरों को पकड़कर इन्हे जंगल में छोड़ा जाए।

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
भिवानी : हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन : 8814999170, दादरी : 9253681008

बीआरसीएम पब्लिक स्कूल बहल में "प्रमोटिंग मेंटल हेल्थ एंड वेलनेस अमंग स्टूडेंट" पर कार्यशाला का आयोजन

विद्यार्थियों को समय प्रबंधन के लिए किया प्रेरित

- मुख्य संसाधन व्यक्तियों के रूप में दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल, भिवानी की पीजीटी कॉमर्स शिक्षिका श्रीमती विकास शर्मा तथा द ओलिव स्कूल, फतेहाबाद की प्राचार्या सुश्री पायल विशेष रूप से उपस्थित रहीं

हरिभूमि न्यूज ⏭बहल

बीआरसीएम पब्लिक स्कूल, बहल द्वारा विद्याग्राम परिसर स्थित महेंद्र चौधरी सभागार में विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य, भावनात्मक सुदृढ़ता एवं सकारात्मक जीवन मूल्यों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से सीबीपी (8095) के अंतर्गत "प्रमोटिंग मेंटल हेल्थ एंड वेलनेस अमंग स्टूडेंट" विषय पर भव्य एवं प्रेरणादायी एकदिवसीय कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ अत्यंत श्रद्धा एवं गरिमामय वातावरण में हुआ। इस अवसर पर बीआरसीएम पब्लिक स्कूल के प्राचार्य संदीप टंडन, बीआरसीएम ज्ञानकुंज के प्राचार्य राजेश कुमार झाझरिया, उपप्राचार्या सरस्वती दीक्षित सहित विद्यालय परिवार के समस्त शिक्षकगण उपस्थित रहे। दीप प्रज्वलन के साथ ही पूरे सभागार में सकारात्मक ऊर्जा एवं प्रेरणादायी वातावरण का संचार हुआ। कार्यशाला का आयोजन सीओई, गुरुग्राम के निर्देशन में संपन्न हुआ, जिसमें शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम में मुख्य संसाधन व्यक्तियों के रूप में दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल, भिवानी की पीजीटी कॉमर्स शिक्षिका श्रीमती विकास शर्मा तथा द ओलिव स्कूल, फतेहाबाद की प्राचार्या सुश्री पायल विशेष रूप से उपस्थित रहीं।

मानसिक रूप से मजबूत बनें: पायल

श्रीमती विकास शर्मा ने विद्यार्थियों को जीवन में आत्मविश्वास बनाए रखने, समय प्रबंधन अपनाने तथा सकारात्मक सोच विकसित करने के लिए प्रेरित किया। वहीं सुश्री पायल ने तनावमुक्त जीवन, भावनात्मक संतुलन एवं स्वस्थ संबंधों की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को मानसिक रूप से सशक्त बनने का संदेश दिया।बीआरसीएम शिक्षण समिति के निदेशक डॉ. एस.के. सिन्हा ने कहा कि वर्तमान प्रतिस्पर्धात्मक युग में विद्यार्थियों का मानसिक रूप से स्वस्थ, आत्मविश्वासी एवं सकारात्मक होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता प्राप्त करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को नैतिक मूल्यों, आत्मबल एवं सकारात्मक दृष्टिकोण से परिपूर्ण बनाना भी है।

स्वस्थ जीवनशैली अपनाएं

संसाधन व्यक्तियों ने विद्यार्थियों को मानसिक स्वास्थ्य, भावनात्मक संतुलन, आत्मविश्वास, सकारात्मक संबंध, तनाव प्रबंधन एवं स्वस्थ जीवनशैली जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की। कार्यशाला को रोचक एवं प्रभावशाली बनाने हेतु विभिन्न गतिविधियों, समूह चर्चाओं, प्रेरणादायी संवाद, माइंड रिलैक्सेशन एक्टिविटी, सहभागितापूर्ण अभ्यास एवं सकारात्मक सोच विकसित करने वाले सत्रों का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह एवं रुचि के साथ इन गतिविधियों में भाग लेते हुए मानसिक स्वास्थ्य के महत्व को गहराई से समझा।